Regarding flood control measures in Delhi and payment of compensation to people affected due to recent floods in Delhi ? laid

श्री मनोज तिवारी (उत्तर पूर्व दिल्ली): मैं सरकार का ध्यान दिल्ली में आई बाढ़ की विभीषिका और उसके बाद बिस्थापित हुए हजारों लोगों के नुकसान की ओर दिलाना चाहता हूं । भारी तबाही के बीच हमारे संसदीय क्षेत्र उत्तर पूर्वी दिल्ली के बुराड़ी, जगतपुर गांव, वजीराबाद गांव, सोनिया विहार, बदरपुर, खादर, सभापुर गांव, श्री राम कॉलोनी, करावल नगर, यमुना विहार, करतार नगर, सीलमपुर, शास्त्री पार्क, खजूरी खास, भजनपुरा तथा गोपालपुर गांव के लाखों लोग बाढ़ की बिभीषिका से प्रभावित हुए और इन क्षेत्र और यमुना के बीच बने दोनों ओर मार्जिनल बांधों में कहीं दरार आई तो कहीं बड़े रिसाब से यमुना का पानी घनी आबादी में घुस गया 2019 में जब 8 लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़ा गया तब यमुना का स्तर 207 मीटर के पार कर गया और इस बार जब उससे कहीं कम पानी हथिनी कुंड बैराज से छोड़ा गया तो यमुना का जल स्तर 208 मीटर के पार चला गया स्थिति साफ है कि यमुना की सफाई नहीं की गई । यमुना के दोनों तरफ बने मार्जिनल बांधों को मजबूत नहीं बनाया गया और दोनों तरफ घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी निकासी की व्यवस्था दुरुस्त नहीं की गई, जिसकी वजह से बढ़कर प्रकोप से अधिक से अधिक नुकसान हुआ । मैं संबंधित मंत्रालय से निवेदन करना चाहता हूं कि दिल्ली सरकार के बीते 4 साल में बाढ़ नियंत्रण पर किए गए खर्च की जांच कराई जाए । बदरपुर, खादर गांव से नानकसर टी पॉइंट वजीराबाद रोड तक के बांध का शीघ्र दोहरीकरण किया जाए, जिसका कार्य 20 अक्टूबर 2021 को मेरे द्वारा प्रस्तावित किया गया था तथा सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधीन लंबित है । नानकसर से कश्मीरी गेट पुल के बीच एक वैकल्पिक मार्जिनल बांध बनाया जाए और उपरोक्त कॉलोनी गांव और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पानी निकासी के माध्यम मौजूद बड़े नालों का पुनर्निर्माण करने के लिए लंबित योजनाओं को शीघ्र पूरा किया जाए, जिससे लाखों लोगों को हर साल आने वाली बाढ़ में पीड़ितों को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई दिया जाए ।